captive consumption in power generation is under consideration of the Government in the Ministry of Coal. After the proposal is approved by the Government, appropriate amendment to relevant Acts/Rules will be carried out for the purpose. Exploitation of lignite reserves in Jayamkondom area for captive power generation in the private sector could be considered only after relveant Acts/Rules are amended suitably.

Shortfall in the production of coal

3838. SHRI V. NARAYANASAMY : Will the Minister of COAL be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Coal India Limited production of coal in the financial year 1991-92 has been far below the target ;

(b) if so, what are the main reasons therefor ; and

(c) what steps Government are taking to increase the production of coal ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI P. A. SANGMA) : (a) No Sir. The production of coal in Coal India Limited during 1991-92 (April 91-Feb. 92) was 180.21 million tonnes against target of 180.17 million tonnes.

(b) and (c) Do not arise.

कोल इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों द्वारा की जाने वाली फिजूलखर्ची को रोका जाना

3839. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोल इंडिया लिमिटेड ने अपने अधिकारियों द्वारा की जाने वाली फिजूलखर्ची को रोकने के लिए निर्देश जारी किए हैं ;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और इन निर्देशों के परिणामस्वरूप कितनी बचत होने की संभावना है ; और

(ग) निर्देशों को सही ढंग से लागू किए जाने के लिए कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं ?

कोयला मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री एस० बी० नक्सेगौड़ा) : (क) से (ग) जी, हां। कोल इंडिया लिमिटेड ने अपनी सहायक कंपनियों को प्रशासनिक व्यय जैसे कि समयोपरि भत्ता, यात्रा, दूरभाष, प्रचार, लेखन-सामग्री, स्टाफकार, आदि को न्यूनतम करने के निर्देश जारी किए हैं। इसके फलस्वरूप कोल इंडिया लि० में 10.41 करोड़ रुपए की बचत की जा सकी है।

सभी सहायक कंपनियों के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशकों को उक्त निर्देशों को नियमित रूप से कार्यान्वयन पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

कोयला खनन क्षेत्र विकास प्राधिकरण का बन्द किया जाना

3840. **श्री चतुरानन मिश्र** : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोयला खनन क्षेत्र विकास प्राधिकरण, धनबाद, जिसमें कोयला प्रबन्धन और केन्द्रीय सरकार के प्रतिनिधि सम्मिलित हैं, एक स्वायत संस्थान है, जो भारत कोकिंग कोल लिमिटेड और ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के खनन क्षेत्रों के लिए जल सप्लाई, जन स्वास्थ्य, सफाई, पर्यावरण नियंत्रण और सामुदायिक विकास कार्यों की देखभाल करता है और यह अंग्रेजों के समय से ही कार्य कर रहा है ;

(ख) प्राधिकरण द्वारा दी गई सेवाओं के लिए कोयला प्रबन्धन कब से टन भार उपकर दे रहा है और यह उपकर किन से वसूल किया जा रहा है ;

(ग) क्या यह सच है कि कोयला प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा दी गई आवश्यक सेवाओं को बन्द कराने का इच्छुक है ; और

(घ) यदि नहीं, तो प्राधिकरण की कमाई के एकमात्र स्रोत, टनभार

उपकर बकाया राशि का भुगतान प्राधिकरण को कब तक किये जाने की संभावना है ?

कोयला मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री एस0 बी0 नयमेगौड़ा) : (क) कोयला खनन क्षेत्र विकास प्राधिकरण एक स्वायत्त निकाय के रूप में, बिहार कोयला खनन क्षेत्र विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1986 को बनाए जाने के साथ, वर्ष 1986 में बनाई गई थी ।

(ख) टन संबंधी उपकर को लगाए जाने का कार्य दिनांक 1-10-1986 से शुरू हुआ था, और इसे कोयले के खरीददारों से वसूल किया गया था ।

(ग) जी, नहीं ।

(घ) यह मामला विचाराधीन है ।

Import of Coal

3841. SHRI RANJIT SINGH : DR. JINENDRA KUMAR JAIN : Will the Minister of COAL be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the country has to import coal because of the dearth of good quality coal ;

(b) if so, the average annual import of coal during the past three years together with the cost thereof ;

(c) whether it is also a fact that there is dearth of washeries in the country; if so, the number of washeries in the public sector, together with their capacity and what percentage of their capacity was utilised during each of the three years;

(d) whether in view of limited capacities of the washeries, Government propose to encourage setting up of washeries in the private sector and the details thereof ; and

(e) If not, what are the reasons therefor ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COAL (SHRI S. B. NYAMAGOUDA) : (a) Indian coal resources by their very nature are of high ash content and inferior quality. The proportion of good grades of coal resources is only about 25% that too are localised in Bihar-Bengal and Central India Coalfields. While other industrial consumers have been able to adjust the combustion equipment to suit the indigenously available grades of coal, the steel plants want lower ash content in the coking coal for coke production. It is in this context that steel plants have been importing about 25% of their total requirements of coking coal for the purpose of blending-low ash imported coal with high ash indigenous coal.

(b) The present installed capacity of coking coal washeries in the country is more than the present availability of raw coking coal of the type needed for these washeries which were originally designed on superioer coking coal, then available in the country.

(c) and (d) No proposal has been received for setting up of washeries in private sector for washing of coal produced by CIL and SCCL.

विभिन्न कोयला एककों द्वारा देश कोयले का उत्पादन

3842. **डा0 जिनेन्द्र कुमार जैन : श्री राम जेठमलानी :**

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1990-91 में विभिन्न कोयला एककों की कोयला उत्पादन की कुल स्थापित क्षमता कितनी थी और क्या देश अपनी क्षमता के अनुसार कोयले का उत्पादन कर रहा है ; और

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और इस संबंध में सरकार ने क्या प्रभावशाली उपाय किये हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी0 ए0 संगमा : (क) कोल इंडिया लि0 ग्रुप की खानों की मूल्यांकन खान क्षमता वर्ष 1990-91 में 213.59 मि0 टन और सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लि0 की खान क्षमता 22.90 मि0 टन थी । इसकी तुलना में वर्ष 1990-91 में कोल इंडिया लि0 में कोयले का उत्पादन 189.66 मि0 टन हुआ जबकि सिंगरेनी कोलियरीज कं0 लि0 में 17.71 मि0 टन रहा ।